संख्या- 4933/नौ-5-2021-65सा/2022

**प्रेषक,**

**अमृत अभिजात,**
प्रमुख सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

**सेवा में,**

1- **समस्त जिलाधिकारी, उत्तर प्रदेश।**
2- **समस्त नगर आयुक्त, नगर निगम, उत्तर प्रदेश।**
3- **समस्त अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत, उत्तर प्रदेश।**

**नगर विकास अनुभाग-5** **लखनऊः दिनांक 31 अक्टूबर, 2022**

**विषयः- "नगर सेवा पखवाड़ा" (दिनांक 01 नवम्बर से 15 नवम्बर, 2022 तक)** के आयोजन के संबंध में।

**महोदय,**

वर्तमान में प्रदेश में कुल 763 नागर निकाय हैं, जिसमें 17 नगर निगम, 199 नगर पालिका परिषद एवं 550 नगर पंचायते हैं। नागर निकायों को मुख्य उद्देश्य उनके क्षेत्रान्तर्गत निवास करने वाले नागरिकों को बुनियादी गुणवत्तापरक सुविधाओं को उनकी जरूरतों के अनुसार मुहैया कराना है।

2- पिछले दिनों में वर्षा ऋतु एवं कई स्थानों पर अतिवृष्टि के कारण जल जमाव की स्थिति उत्पन्न हुई है। इसकी वजह से डेंगु सहित कई संचारी रोगों के फैलने की संभावना रहती है तथा नगरीय सड़कों में भी गड्ढे पड़ने की स्थिति बनी है। ऐसे स्थिति में नियमित साफ-सफाई एवं कूड़े-कचरे के निस्तारण की व्यवस्था को अपेक्षाकृत और असरदार बनाने की आवश्यकता होती है। इन सभी समस्याओं का निराकरण राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं प्रभावी क्रियान्वयन कराकर जनसामान्य को बेहतर नगरीय जीवन उपलब्ध कराया जा सकता है। प्रदेश के नगरीय निकायों द्वारा नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही बुनियादी नागरिक सुविधाओं एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ जनसामान्य को निर्धारित समयावधि के अन्दर उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से नगर विकास विभाग द्वारा दिनांक 1-15 नवम्बर, 2022 के बीच **'नगर सेवा पखवाड़ा' नाम से एक अभियान** चलाये जाने का निर्णय लिया गया है।

3- प्रदेश के समस्त जनपदों के अन्तर्गत आने वाले निकायों के लिये शासन/निदेशालय/उ0प्र0 जल निगम (नगरीय) स्तर के अधिकारियों को नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जा रहा है, जिसकी सूची संलग्न हैं। उक्त अधिकारीगण आवंटित सभी जिलों में एवं उन जिलों के कम से कम दो-दो निकायों का भ्रमण करेंगे। अन्य निकायों के साथ वर्चुअल और टेलिफोनिक सम्पर्क कर 15 दिवसीय **"नगर सेवा पखवाड़ा"** अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करेंगे। उक्त अधिकारीगण द्वारा निम्नलिखित कार्यों के पर्यवेक्षण कार्य को प्राथमिकता प्रदान की जायेगी :-

(1) जल भराव वाले स्थानों को चिन्हित कर जलनिकासी की समुचित व्यवस्था करना। उक्त हेतु आवश्यकतानुसार पम्प सेट आदि का प्रयोग सुनिश्चित किया जाना। नियमित रूप में जल भराव वाले स्थानों पर एंटीलार्वा स्प्रे का छिड़काव सुनिश्चित किया जाना।
(2) खुले नाले-नालियों को ढकने की व्यवस्था, नालियों/कचरों की सफाई व्यवस्था। सफाई के दौरान एकत्र किये गये कूड़े को उसकी समय सेनेट्री लैण्ड फिल साईट पर अथवा उचित स्थान पर भिजवाया जाना।
(3) जन सामान्य को वातावरणीय व व्यक्तिगत स्वच्छता के उपायों, खुले में शौच न करने, शुद्ध पेयजल के उपयोग तथा ए0ई0एस0/जे0ई0 एवं अन्य संक्रामक रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु संवेदित किया जाना
(4) जनसामान्य को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित किया जाना।
(5) User's End Point पर जल के नमूने एकत्र कर उनका ओ0टी0 टेस्ट तथा वायरोलॉजिकल, बेक्टिरियोलॉजिकल एवं केमिकल एनालिसिस कराया जाना।
(6) डब्ल्यू0टी0पी0 पर जीवाणुरोधन हेतु क्लोरिनेशन की अतिरिक्त व्यवस्था कराया जाना तथा प्लान्ट्स के अवमुक्त अपशिष्ट जल को भी प्रवाहित करने से पूर्व हाइपर क्लोरिनेशन से सघन विसंक्रमण कराया जाना।
(7) नगरीय क्षेत्र में सीवर अथवा पानी की पाईप लाइन में ब्रेकेज अथवा लीकेज को तत्काल सही कराया जाना।

(8) नगरीय क्षेत्रों की सड़कों को आवश्यकतानुसार पैच वर्क रिन्यूवल करके समयबद्ध ढंग से गड्ढामुक्त किया जाना।
(9) स्वच्छ भारत मिशन योजना के अन्तर्गत सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, एम0आर0एफ0, कूड़ा कलेक्शन एवं डिस्पोजल, एफ0एस0टी0पी0 आदि की समीक्षा।
(10) अमृत योजना के अन्तर्गत संचालित पेयजल, सीवरेज तथा पार्क/ग्रीन स्पेस की योजनाओं का निरीक्षण/समीक्षा।
(11) स्मार्ट सिटी योजना के अन्तर्गत आई0सी0सी0सी0, आई0टी0एम0एस0, हेल्थ ए0टी0एम0, facade Lighting, बस चार्जिंग स्टेशन, स्मार्ट स्कूल, स्मार्ट रोड व अन्य कार्यों की समीक्षा केन्द्र पुरोनिधानित योजनाओं यथा-अमृत, स्वच्छ भारत मिशन, स्मार्ट सिटी मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना आदि के अन्तर्गत संचालित परियोजनाओं का निरीक्षण एवं समीक्षा।
(12) प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत बनाये गये आवासों एवं उनमें उपलब्ध पेयजल, विद्युत, टॉयलेट सुविधा का निरीक्षण तथा उनमें अध्यासन की स्थिति।
(13) पी0एम0 स्वनिधि योजना के अन्तर्गत रजिस्टर्ड वेण्डर्स के सापेक्ष प्रथम/द्वितीय किश्त का ऋण प्राप्त वेण्डर्स की संख्या, डिजिटल ट्रांजिक्शन की संख्या, ऋण वापसी की स्थिति आदि की समीक्षा।
(14) केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग से प्राप्त धनराशि के उपयोग की स्थिति की समीक्षा।
(15) कान्हा गौशाला में उपलब्ध गौवंश एवं उन्हें प्राप्त हो रहीं सुविधाओं की समीक्षा।
(16) अन्त्येष्टि स्थल पर जनसामान्य हेतु उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा।
(17) नगरीय झील/पोखर/तालाब के संरक्षण की स्थिति एवं वहां पर उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा।

4- इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि संलग्न सूची में उल्लिखित समस्त अधिकारियों द्वारा उन्हें आवंटित जनपदों के विभिन्न निकायों में निकाय के अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ भ्रमण कर राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं एवं नागरिकों को निकाय द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की समीक्षा की जायेगी एवं यथावश्यकता उनके फोटाग्राफ्स एकत्र किये जायेंगे तथा अपनी निरीक्षण आख्या नगर विकास अनुभाग-5 को उपलब्ध कराई जायेगी। निकाय/जनपद स्तर एवं राज्य स्तर के अधिकारियों द्वारा संलग्न सूची में उल्लिखित अधिकारियों द्वारा वांछित सूचनाऐं तत्काल उपलब्ध कराई जायेंगी।

भवदीय,

( अमृत अभिजात )
प्रमुख सचिव

**संख्या एवं दिनांक तदैव**

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1- निजी सचिव, मा0 मंत्री, नगर विकास विभाग, उ0प्र0 शासन।
2- निजी सचिव, प्रमुख सचिव, नगर विकास विभाग, उ0प्र0 शासन।
3- निजी सचिव, सचिव, नगर विकास विभाग, उ0प्र0 शासन।
4- संलग्न सूची में उल्लिखित समस्त अधिकारीगण।
5- गार्ड फाइल/कम्प्यूटर सेल।

आज्ञा से,

31.10.2022

( कल्याण बनर्जी )
संयुक्त सचिव

**संलग्नक**

| क्र.सं. | जनपद का नाम | अधिकारी का नाम |
|---|---|---|
| 1 | गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया | श्री अमृत अभिजात, प्रमुख सचिव, नगर विकास विभाग, उ0प्र0 शासन। |
| 2 | मिर्जापुर, भदोही, | श्री अनिल कुमार, सचिव, नगर विकास विभाग, उ0प्र0 शासन। |
| 3 | गाजियाबाद बागपत, मेरठ, हापुड़ | श्री रंजन कुमार, सचिव, नगर विकास विभाग, उ0प्र0 शासन। |
| 4 | वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर | श्रीमती नेहा शर्मा, निदेशक, नगरीय निकाय निदेशालय, उ0प्र0 लखनऊ। |
| 5 | अयोध्या, बस्ती, संतकबीरनगर | सुश्री यशु रूस्तगी, निदेशक, सूडा, उ0प्र0। |
| 6 | अलीगढ़, कासगंज, एटा, हाथरस | श्री धमेन्द्र प्रताप सिंह, विशेष सचिव, नगर विकास विभाग, उ0प्र0 शासन। |
| 7 | प्रयागराज, कौशाम्बी, फतेहपुर, प्रतापगढ़ | श्री अमित सिंह, विशेष सचिव, नगर विकास विभाग, उ0प्र0 शासन। |
| 8 | बरेली, बदायूं, शाहजहांपुर, लखीमपुर | श्री सुनील चौधरी, विशेष सचिव, नगर विकास विभाग, उ0प्र0 शासन। |
| 9 | इटावा, औरेया, कानपुर देहात, कन्नौज | श्री राजेन्द्र पेंसिया, विशेष सचिव, नगर विकास विभाग, उ0प्र0 शासन। |
| 10 | हरदोई, सीतापुर, लखनऊ | सुश्री जे0 रीभा, अपर निदेशक, स्वच्छ भारत मिशन, नगरीय निकाय निदेशालय, उ0प्र0 लखनऊ। |
| 11 | सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर | श्री बारातीलाल, विशेष सचिव, नगर विकास विभाग, उ0प्र0 शासन। |
| 12 | बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, | श्री अनिल कुमार, विशेष सचिव, नगर विकास विभाग, उ0प्र0 शासन। |
| 13 | बुलन्दशहर, सम्भल, रामपुर | श्री ज्ञानेन्द्र सिंह, संयुक्त प्रबंध निदेशक, उ0प्र0 जल निगम, लखनऊ। |
| 14 | मथुरा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी | श्री पी0के0 श्रीवास्तव, अपर निदेशक (प्रशिक्षण), नगरीय निकाय निदेशालय, उ0प्र0 लखनऊ। |
| 15 | कानपुर, उन्नाव, फर्रूखाबाद | श्री कल्याण बनर्जी, संयुक्त सचिव, नगर विकास विभाग, उ0प्र0 शासन। |
| 16 | अम्बेडकरनगर, सिद्धार्थनगर, महराजगंज | श्री एच0के0 कंसल, मुख्य अभियन्ता (नागर), उ0प्र0 जल निगम (नगरीय), लखनऊ। |
| 17 | चन्दौली, सोनभद्र | श्री पी0के0 गुप्ता, मुख्य अभियन्ता (प्रयागराज क्षेत्र), उ0प्र0 जल निगम (नगरीय), प्रयागराज |
| 18 | उरई, जालौन, हमीरपुर, झांसी | श्री गुरूप्रसाद पाण्डेय, अपर निदेशक, स्वच्छ भारत मिशन, नगरीय निकाय निदेशालय, उ0प्र0 लखनऊ। |
| 19 | महोबा, बांदा, चित्रकूट | श्री के0पी0 सिंह, अनुसचिव, नगर विकास विभाग, उ0प्र0 शासन। |
| 20 | रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर | श्री महावीर प्रसाद, अनुसचिव, नगर विकास विभाग, उ0प्र0 शासन। |
| 21 | आजमगढ़, मऊ, बलिया | श्री राम सजीवन, उपसचिव, नगर विकास विभाग, उ0प्र0 शासन। |
| 22 | बलरामपुर, गोण्डा, बहराइच, श्रावस्ती | श्री मो0 वासिफ, अनुसचिव, नगर विकास विभाग, उ0प्र0 शासन। |